बिहार विधान परिषद्

सत्र 186 वां

शोक – पुस्तिका

21 अगस्त, 2017
25 अगस्त, 2017

मो. हारूण रशीद
उप सभापति
बिहार विधान परिषद्

शोक संदर्भ

1. स्वर्गीय बद्री नारायण लाल
2. स्वर्गीय पी.के. सिन्हा
3. स्वर्गीया सुनीला देवी
4. स्वर्गीय अदनान खां
5. स्वर्गीय राजकिशोर सिन्हा
6. स्वर्गीय प्रोफेसर यू. आर. राव
7. स्वर्गीय प्रोफेसर यशपाल
8. स्वर्गीय अजीत कुमार अकेला
9. स्वर्गीय विनोद खन्ना
10. स्वर्गीय प्रो. सी.एल. दास
11. स्वर्गीय प्रो. हेतुकर झा
12. अमरनाथ श्रद्धालुओं पर आतंकवादी हमला
13. बस दुर्घटना में अमरनाथ श्रद्धालुओं की मृत्यु
14. बाढ़ की विभीषिका से हुई मौत
15. गोरखपुर में बच्चों की मौत
16. उत्तर प्रदेश में भीषण रेल दुर्घटना

स्वर्गीय बद्री नारायण लाल

21 मई, 2017 को बिहार विधान परिषद् के पूर्व सदस्य माननीय श्री बद्री नारायण लाल का निधन हो गया। मृत्यु के समय उनकी उम्र लगभग 80 वर्ष थी।

श्री लाल का जन्म 13 जून, 1937 को शेखपुरा जिलान्तर्गत रामपुर गांव में हुआ था। इनके दो पुत्र एवं दो पुत्री हैं। वे शेखपुरा एवं लखीसराय के हाई स्कूल में शिक्षक थे। स्कूल से त्याग पत्र देकर वे पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रूप में ट्रेड यूनियन से जुड़ गये।

श्री लाल 23 जुलाई, 1992 से 21 जुलाई , 1998 तक एवं 22 जुलाई, 1998 से 21 जुलाई, 2004 तक बिहार विधान परिषद् के सदस्य रहे।

श्री लाल भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के बिहार राज्य परिषद् के सचिव के पद पर लगभग 8 वर्षों तक रहे। उन्होंने अपने राजनैतिक जीवन के दौरान कई देशों की यात्राएं की थीं।

श्री लाल गरीबों एवं शोषितों के उत्थान के लिए सदैव प्रयत्नशील रहते थे। उनके निधन से हम सबों को अपार दु:ख है।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को चिर-शांति प्रदान करें तथा शोक-संतप्त परिवार को धैर्य एवं शक्ति दें।

स्वर्गीय पी.के. सिन्हा

29 जून, 2017 को बिहार विधान परिषद् के पूर्व सदस्य, माननीय श्री पी. के. सिन्हा का निधन हो गया। मृत्यु के समय उनकी उम्र लगभग 81 वर्ष थी।

श्री सिन्हा का जन्म 1 जनवरी, 1936 को पटना जिलान्तर्गत बिंदौली ग्राम में हुआ था।

श्री सिन्हा ने अपने कैरियर की शुरुआत एक शिक्षक के रूप में की थी। उसके बाद वे बिहार प्रशासनिक सेवा में पदाधिकारी बने। लगभग बीस वर्षों तक प्रशासनिक सेवा में रहने के बाद नौकरी से त्याग पत्र देकर वे सक्रिय राजनीति में शामिल हो गए।

श्री सिन्हा 7 मई, 2000 से 6 मई, 2006 तक बिहार विधान परिषद् के सदस्य थे। इनके तीन पुत्र हैं।

श्री सिन्हा एक कुशल प्रशासनिक पदाधिकारी, समर्पित समाजसेवी तथा प्रख्यात नेता थे। वे समता पार्टी के प्रवक्ता भी थे। उनके निधन से हम सबों को अपार दु:ख है।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को चिर-शांति प्रदान करें तथा शोक-संतप्त परिवार को धैर्य एवं शक्ति दें।

स्वर्गीया सुनीला देवी

6 जुलाई, 2017 को बिहार विधान सभा की पूर्व सदस्या, माननीया श्रीमती सुनीला देवी का निधन हो गया। मृत्यु के समय उनकी उम्र लगभग 54 वर्ष थी।

श्रीमती सुनीला देवी का जन्म 10 मई, 1963 को लखीसराय जिलान्तर्गत ओलीपुर में हुआ था। उन्हें तीन पुत्र एवं एक पुत्री हैं।

श्रीमती सुनीला देवी मार्च, 2005 एवं नवंबर, 2005 में शेखपुरा निर्वाचन क्षेत्र से बिहार विधान सभा की सदस्य निर्वाचित हुई थीं।

श्रीमती सुनीला देवी प्रसिद्ध समाज सेवी थीं। महिलाओं एवं बच्चों के विकास के लिए वे सदैव प्रयत्नशील रहती थीं। उनके निधन से हम सबों को अपार दु:ख है।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को चिर-शांति प्रदान करें तथा शोक-संतप्त परिवार को धैर्य एवं शक्ति दें।

स्वर्गीय अदनान खां

23 जुलाई, 2017 को बिहार विधान सभा के पूर्व सदस्य, माननीय श्री अदनान खां का निधन हो गया। मृत्यु के समय उनकी उम्र लगभग 73 वर्ष थी।

श्री खां का जन्म 18 अप्रील, 1944 को सिवान जिलान्तर्गत सोनबरसा गांव में हुआ था। उन्होंने डी.ए.वी. कॉलेज, सिवान से स्नातक तथा कलकत्ता से डी.ए.एम.एस. (होम्योपैथिक) की डिग्री प्राप्त की। बाद में उन्होंने सिवान में मेडिकल प्रैक्टिस की शुरुआत की।

श्री खां 1985 में बरौली निर्वाचन क्षेत्र से बिहार विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे।

श्री खां प्रसिद्ध समाजसेवी थे। अपने क्षेत्र की प्रगति एवं विकास के लिए वे सदैव प्रयत्नशील रहते थे। उनके निधन से हम सबों को अपार दु:ख है।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को चिर-शांति प्रदान करें तथा शोक-संतप्त परिवार को धैर्य एवं शक्ति दें।

स्वर्गीय राजकिशोर सिन्हा

17 अगस्त, 2017 को बिहार विधान सभा के पूर्व सदस्य, माननीय श्री राजकिशोर सिन्हा का निधन हो गया। मृत्यु के समय उनकी उम्र लगभग 61 वर्ष थी।

श्री सिन्हा 1995 में वैशाली निर्वाचन क्षेत्र से बिहार विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे।

श्री सिन्हा अपने क्षेत्र की प्रगति एवं विकास के लिए सदैव प्रयत्नशील रहते थे। उनके निधन से हम सबों को अपार दु:ख है।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को चिर-शांति प्रदान करें तथा शोक-संतप्त परिवार को धैर्य एवं शक्ति दें।

स्वर्गीय प्रोफेसर. यू. आर. राव

24 जुलाई, 2017 को सुप्रसिद्ध अंतरिक्ष वैज्ञानिक प्रोफेसर यू.आर.राव का निधन हो गया। मृत्यु के समय उनकी उम्र लगभग 85 वर्ष थी।

प्रो. राव का जन्म 10 मार्च, 1932 को हुआ था। उन्होंने मद्रास विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त की थी।

प्रो. राव भारत के पहले सेटेलाइट ''आर्यभट्ट'' बनाने वाले प्रख्यात वैज्ञानिक थे। वे अहमदाबाद में भौतिकी अनुसंधान प्रयोगशाला की गवर्निंग काउंसिल के अध्यक्ष एवं भारतीय विज्ञान एवं प्राद्योगिकी संस्थान के कुलाधिपति रहे।

प्रो. राव 1984 से 1994 तक इसरो के अध्यक्ष थे।

भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्हें 1976 में 'पद्मभूषण' एवं 2017 में 'पद्मविभूषण' सहित कई सम्मानों से सम्मानित किया गया। उनके निधन से देश ने प्रसिद्ध अंतरिक्ष वैज्ञानिक को खो दिया है। उनके निधन से हम सबों को अपार दु:ख है।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को चिर-शांति प्रदान करें तथा शोक-संतप्त परिवार को धैर्य एवं शक्ति दें।

स्वर्गीय प्रोफेसर यशपाल

23 जुलाई, 2017 को सुप्रसिद्ध शिक्षाविद्, प्रोफेसर यशपाल का निधन हो गया। मृत्यु के समय उनकी उम्र लगभग 91 वर्ष थी।

प्रो. यशपाल का जन्म 26 नवंबर, 1926 को हुआ था। उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय से भौतिकी में परास्नातक एवं मेसाच्युसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से पी-एच.डी. की उपाधि हासिल की थी।

प्रो. यशपाल का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान रहा। वे 1986 से 1991 तक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष, 2007 से 2012 तक जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के चांसलर एवं 1983 से 1984 तक योजना आयोग के मुख्य सलाहकार रहे।

प्रो. यशपाल के नेतृत्व में दूरदर्शन पर विज्ञान से जुड़े कार्यक्रम ''टर्निंग प्वांइंट'' बहुत लोकप्रिय हुआ। विज्ञान और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें क्रमश:1976 में 'पद्मभूषण' एवं 2013 में 'पद्मविभूषण' से सम्मानित किया गया। उनके निधन से हम सबों को अपार दु:ख है।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को चिर-शांति प्रदान करें तथा शोक-संतप्त परिवार को धैर्य एवं शक्ति दें।

स्वर्गीय अजीत कुमार अकेला

26 जून, 2017 को बिहार के प्रसिद्ध लोक गायक, श्री अजीत कुमार अकेला का निधन हो गया। मृत्यु के समय उनकी उम्र लगभग 53 वर्ष थी।

श्री अकेला का जन्म 15 जनवरी, 1964 को पटना जिला के फतेहपुर गांव में हुआ था।

श्री अकेला ने अपनी गायिकी से बिहार की संस्कृति को देश विदेश में अलग पहचान दिलाई। उनके गाए हुए कुछ लोकगीत बहुत लोकप्रिय हुए। इसके लिए उन्हें राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय एवं बिहार सरकार द्वारा दर्जनों अवार्ड से सम्मानित किया गया।

श्री अकेला पारंपरिक लोक गायन के आधार स्तंभ थे। उनके निधन से हम सबों को अपार दु:ख है।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को चिर-शांति प्रदान करें तथा शोक-संतप्त परिवार को धैर्य एवं शक्ति दें।

स्वर्गीय विनोद खन्ना

27 अप्रील, 2017 को पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता श्री विनोद खन्ना का निधन हो गया । मृत्यु के समय उनकी उम्र लगभग 71 वर्ष थी।

श्री विनोद खन्ना ने अपने फिल्मी कैरियर में बहुत सारी फिल्मों में अभिनय किया। उनकी कई फिल्में बहुत लोकप्रिय हुईं। उन्होंने अपने सशक्त अभिनय से नायक एवं खलनायक दोनों ही भूमिकाओं में अमिट छाप छोड़ी। उन्हें दो बार फिल्म फेयर अवार्ड प्रदान किया गया।

श्री विनोद खन्ना दो बार गुरदासपुर संसदीय निवार्चन क्षेत्र से लोकसभा के सदस्य निर्वाचित हुए। केन्द्र सरकार में वे मंत्री भी रह चुके थे।

श्री विनोद खन्ना एक अच्छे अभिनेता एवं नेता भी थे। उनके निधन से हम सबों को अपार दु:ख है।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को चिर-शांति प्रदान करें तथा शोक-संतप्त परिवार को धैर्य एवं शक्ति दें।

स्वर्गीय प्रो. सी.एल. दास

17 अप्रील, 2017 को प्रसिद्ध सरोदवादक एवं संगीत के विद्वान प्रो. सी.एल. दास का निधन हो गया।

प्रो. दास लगभग 17 वर्षों तक कॉलेज ऑफ कॉमर्स, पटना में अंग्रेजी के विभागाध्यक्ष भी रहे। वे मैहर सेनिया घराना के आचार्य अलाउद्दीन खान के शिष्य थे।

प्रो. दास को बिहार सरकार ने 'सुरताल' और 'लाइफ अचीवमेंट' पुरस्कार तथा केन्द्र सरकार ने 'अभिनव गुप्त सम्मान' से सम्मानित किया। अहमदाबाद में उन्हें काका हाथरसी पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। संगीत के क्षेत्र में उनका अमूल्य योगदान रहा। उनके निधन से हम सबों को अपार दु:ख है।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को चिर-शांति प्रदान करें तथा शोक-संतप्त परिवार को धैर्य एवं शक्ति दें।

स्वर्गीय प्रो. हेतुकर झा

19 अगस्त, 2017 को प्रसिद्ध समाजशास्त्री प्रो. हेतुकर झा का निधन हो गया। मृत्यु के समय उनकी उम्र 73 वर्ष थी।

प्रो. झा का जन्म 5 मार्च, 1944 को मधुबनी जिला के सरिसव पाही गांव में हुआ था।

प्रो. झा पटना विश्वविद्यालय से उच्चतर शिक्षा प्राप्त की तत्पश्चात् वे पटना विश्वविद्यालय में ही समाजशास्त्र विभाग में व्याख्याता के पद पर अपने कैरियर की शुरुआत की। बाद में उसी संकाय में वे विभागाध्यक्ष होकर सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने कई पुस्तकों की रचना की जिनमें 'मैन इन इंडियन ट्रेडिशन', 'परस्पेक्टिव ऑन इंडियन सोसाइटी एंड हिस्ट्री', 'मिथिला इन द नाइनटिन्थ सेंचुरी' इत्यादि काफी लोकप्रिय रही। उनके निधन से हम सबों को अपार दु:ख है।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को चिर-शांति प्रदान करें तथा शोक-संतप्त परिवार को धैर्य एवं शक्ति दें।

अमरनाथ श्रद्धालुओं पर आतंकवादी हमला

10 जुलाई, 2017 की रात जम्मू कश्मीर के अनंतनाग में अमरनाथ यात्रियों से भरी एक बस पर आतंकवादियों द्वारा हमला कर सात श्रद्धालुओं की नृशंस हत्या कर दी गई। इस घटना में कई लोग घायल भी हो गए।

यह घटना उस समय हुई जब तीर्थयात्री अमरनाथ से लौट रहे थे। सभी मृतक गुजरात राज्य के थे। श्रद्धालुओं की असमय मृत्यु से हम सभी मर्माहत हैं। ऐसे आतंकवादी हमलों की हम सभी कड़े शब्दों में भर्त्सना करते हैं।

ईश्वर दिवंगत आत्माओं को चिर-शांति प्रदान करें तथा शोक-संतप्त परिवारों को धैर्य एवं शक्ति दें।

बस दुर्घटना में अमरनाथ श्रद्धालुओं की मृत्यु

16 जुलाई, 2017 को अमरनाथ जानेवाली एक बस के खाई में गिर जाने के कारण सत्रह श्रद्धालुओं की मृत्यु हो गयी और कई लोग घायल हो गए। मृतकों में कुछ लोग दानापुर के रहने वाले थे।

श्रद्धालुओं के असामयिक निधन से हम सभी मर्माहत हैं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को चिर-शांति प्रदान करें तथा शोक-संतप्त परिवारों को धैर्य एवं शक्ति दें।

बाढ़ की विभीषिका से हुई मौत

बिहार के विभिन्न जिलों में बाढ़ के कारण सौ से अधिक लोगों की आकस्मिक मृत्यु हो गई एवं लाखों लोग बेघर हो गए हैं। इस विनाश में लोगों की संपत्ति एवं मवेशियों का भारी नुकसान हुआ है।

इस प्राकृतिक आपदा से लाखों लोग प्रभावित हो गए हैं। उनका जीवन अस्त-व्यस्त एवं त्रासदीपूर्ण हो गया है।

इस आपदा में मृतकों के लिए हम सभी अत्यंत ही शोकाकुल हैं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को चिर-शांति प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिवारों को धैर्य एवं शक्ति दें।

गोरखपुर में बच्चों की मौत

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में कुछ दिन पूर्व जापानी इंसेफ्लाइटिस बीमारी से दर्जनों बच्चों की दर्दनाक मृत्यु हो गई।

जापानी इंसेफ्लाइटिस बीमारी गोरखपुर के कई क्षेत्रों में फैल गई जिसकी चपेट में बच्चे आ गए और उन्हें तत्काल गोरखपुर के बाबा राघव दास मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। हॉस्पिटल में ही दर्जनों बच्चों की मौत हो गई।

मासूम बच्चों की असामयिक मृत्यु से हम सभी अत्यंत ही शोकाकुल हैं।

ईश्वर दिवंगत आत्माओं को चिर-शांति प्रदान करें तथा शोक-संतप्त परिवारों को धैर्य एवं शक्ति दें।

उत्तर प्रदेश में भीषण रेल दुर्घटना

19 अगस्त, 2017 की शाम उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिला के खतौली में पुरी से हरिद्वार जा रही उत्कल एक्सप्रेस रेल दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

इस भीषण रेल दुर्घटना में लगभग दर्जनों यात्री की असामयिक मृत्यु हो गई तथा अनेक घायल हो गए।

यात्रियों के अचानक रेल हादसे में हुए निधन से हम सभी मर्माहत हैं।

ईश्वर दिवंगत आत्माओं को चिर-शांति प्रदान करें तथा शोक-संतप्त परिवारों को धैर्य एवं शक्ति दें।